भारत सरकार | **राज्य सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय | **अतारांकित प्रश्न सं. 986**

<u>दिनांक 29 जुलाई, 2015 को उत्तर दिए जाने के लिए</u>

भारतीय ब्रांडेड उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा

986 डा. चंदन मित्रा:

क्या वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में निर्मित भारतीय ब्रांडेड उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना तैयार की है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) विश्व बाजार में देश की छवि चमकाने के लिए भारतीय ब्रांडेड उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए है?

<u>उत्तर</u>

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्रीमती निर्मला सीतारमण)

(क) और (ख): सरकार बाजार पहुंच पहल (एमएआई) स्कीम और बाजार विकास सहायता (एमडीए) स्कीम के माध्यम से ब्रांडेड उत्पादों सहित भारतीय वस्तुओं/ उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करती है। इन स्कीमों के अंतर्गत निर्यात संवर्धन परिषदों, व्यापार निकायों, अन्य पात्र एजेंसियों/संगठनों, निर्यातकों आदि को विदेश में व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, विपणन परियोजनाओं में भागीदारी, क्षमता निर्माण, सांविधिक अनुपालन हेतु समर्थन आदि जैसे कार्यकलापों के लिए सहायता प्रदान की जाती है। विदेश व्यापार नीति 2015-2020 में, भारतीय ब्रांडेड उत्पादों जोकि भारत में उत्पादित/विनिर्मित किये जाते हैं, विशेष रूप से जिनमें उच्च निर्यात क्षमता, रोजगार संभावनाएं मौजूद होती हैं और जोकि परिणामस्वरूप भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को संवर्धित करते हैं, सहित वस्तुओं/उत्पादों, के निर्यात के लिये प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु भारत से पण्य वस्तु निर्यात स्कीम (एमईआईएस) नाम से एक

स्कीम भी शामिल है। अधिसूचित बाजारों को अधिसूचित वस्तुओं/उत्पादों के निर्यात हेतु शुल्क क्रेडिट स्क्रिप्स के रूप में प्रोत्साहन दिया जाता है।

(ग): सरकार भारतीय मेलों, भारत और विदेश में प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों में भागीदारी, परस्पर व्यापार बैठकों, पत्रकारों और मीडिया के साथ वार्ताओं, संप्रेषण कार्यनीति और क्षेत्रीय ब्रांड संवर्धन के माध्यम से भारत की ब्रांड इक्विटी को प्रोत्साहित करने के लिये भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ), भारतीय ब्रांड इक्विटी फाउंडेशन (आईबीईएफ), निर्यात संवर्धन परिषदों (इपीसी) और व्यापार निकायों के जरिए नियमित कार्यकलाप निष्पादित करती है।

*****